

# डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 23

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्डेब्रांट

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 23 है, अलंकारिक दृष्टिकोण, काव्य तकनीक।

हमने प्रेरित कवि के मन और हृदय में उतरने के लिए भजनों की व्याख्या करने के विभिन्न तरीकों या दृष्टिकोणों पर ध्यान दिया है।

तो, हमने आध्यात्मिक दृष्टिकोण पर ध्यान दिया है। हमने ईश्वर और उसके प्रेरित लेखक के प्रति सही दृष्टिकोण, सही भावना रखने पर ध्यान दिया। हमने स्तोत्रों की व्याख्या में ऐतिहासिक दृष्टिकोण और राजा के महत्व को देखा।

हमने स्तोत्र के रूपों को देखा और इसलिए हमने स्तोत्रों को सामान्य रूप के अनुसार समूहित किया। हमने भजनों के भंडार के बीच जो विशिष्ट था उसकी तलाश की। ताकि स्तुति के भजनों में प्रशंसा का भाव हो, कृतज्ञ गीतों में कृतज्ञता का भाव हो।

उनके पास प्रशंसा की शब्दावली थी जैसे हलैलूया, या प्रभु की स्तुति करो, या हम प्रभु को धन्यवाद देंगे। उनके अलग-अलग रूपांकन थे। हमने सामान्य रूपांकनों पर ध्यान दिया ताकि भजनों में, प्रशंसा करने का आह्वान हो और प्रशंसा का कारण हो और फिर अक्सर प्रशंसा करने का एक नया आह्वान हो।

विलाप में, उनके अलग-अलग रूपांकन थे। उनका मंगलाचरण था। जैसे ही आपने पढ़ा, हे भगवान, हे भगवान, हे इस्राएल के चरवाहे, आपको पता चल गया कि आप एक विलाप या प्रार्थना भजन के साथ काम कर रहे थे।

उनमें आत्मविश्वास का भाव था। उनमें विलाप का भाव था। उनमें याचना का भाव था और उनके पास हमेशा प्रशंसा का भाव था।

इसलिए, हमने उन्हें मोटे तौर पर बैच करके देखा, क्योंकि वे इन विभिन्न प्रकार की श्रेणियों में फिट होंगे। हमने उस मंदिर की स्थापना पर भी विचार किया जिसमें इन भजनों का पाठ किया गया था। इस व्याख्यान में, हम यह देखेंगे कि एक व्यक्तिगत स्तोत्र का निर्माण कैसे किया जाता है, न कि उसके स्वरूप और अन्य स्तोत्रों की तरह, बल्कि उन काव्यात्मक तकनीकों के कारण जिन्होंने इसे एक अद्वितीय स्तोत्र बनाया और कवि ने उन प्रकार की तकनीकों का उपयोग किया जो वे इस्तेमाल करते थे। उनकी सामग्री एक साथ।

इसलिए, मैंने इसे फीलिस ट्रिबल के इस उद्धरण के द्वारा प्रस्तुत किया, जो निश्चित रूप से विरोधाभास, रूप और अलंकारिक आलोचना द्वारा परिभाषित करता है। वह कहती हैं, कि जहाँ रूप आलोचना विशिष्ट का अध्ययन करती है और साहित्य को उसकी शैली के अनुसार समूहित करती है, अलंकारिक आलोचना विशिष्ट के भीतर विशेष का अध्ययन करती है। इसलिए, जैसे-

जैसे हम भजन के पास आते हैं, हम न केवल इसके स्वरूप और अन्य भजनों से इसकी समानता के बारे में जानते हैं, बल्कि हमें यह भी जानना चाहिए कि भजन को एक साथ कैसे रखा जाता है।

कवि ने किन तकनीकों का प्रयोग किया? इसे हम ग्रीक शब्द पोयटिक्स भी कहते हैं बनाना या काम करना। उन्होंने वास्तव में कैसे रचना की? उनकी कुछ तकनीकें क्या थीं जिनके द्वारा उन्होंने अपना साहित्य एक साथ रखा? मैं दोबारा अर्थ के स्तर पर नहीं जा रहा हूँ। मैं उसमें नहीं फंसना चाहता।

हमने पाठ्यक्रम में सार्थकता के स्तर पर चर्चा की। हमने देखा कि जब हम पाठ के साथ काम कर रहे होते हैं, तो कुछ शब्दकोष से संबंधित होते हैं, कुछ व्याकरण से संबंधित होते हैं, और कुछ कविता से संबंधित होते हैं। लेकिन अब हम वास्तव में पूरी कविता और उसके छंदों को देख रहे हैं।

और छंदों के भीतर, हमारे पास स्तम्भ हैं। तो आमतौर पर एक कविता में, जैसा कि हमने भजन 110 में देखा, एक छंद होता है। तो, दो छंद थे।

और छंद के भीतर, वह है परिचय, पाठ, दो बार किया गया चिंतन, दो छंद। स्ट्रोफ़ेस थे और उसके हिस्से, उसके भीतर की छोटी इकाइयों को साहित्य में स्ट्रोफ़ेस कहा जाता है। तो, आपके पास कविता है, फिर आपके पास छंद है, फिर आपके पास श्लोक हैं।

और फिर कभी-कभी आपके पास स्ट्रोफ़ेस के भीतर इकाइयाँ होती हैं। और हम देख रहे हैं कि छंद बनाने के लिए स्तम्भों को एक साथ कैसे रखा जाता है, भजन की एक कविता बनाने के लिए छंदों को एक साथ कैसे रखा जाता है। तो, इसे काव्यशास्त्र कहा जाता है और हम विभिन्न तकनीकों को देखने जा रहे हैं।

इसलिए जब मैं अपने विश्वविद्यालय प्रशिक्षण से गुजरा, तो मुझे लेंस दिए गए, जिनके द्वारा मैं उन स्रोतों की पहचान कर सकता था, जिन्हें मैं अपनी सामग्री का परमाणुकरण कर सकता था, और इसे जे दस्तावेज़ या ई दस्तावेज़ या पी दस्तावेज़ या डी दस्तावेज़ में विभाजित कर सकता था। मुझे उस तरह का लेंस दिया गया। मैं स्रोत आलोचना जानता था।

यह वास्तव में 1980 में रॉबर्ट ऑल्टर के काम, द आर्ट ऑफ बाइबिलिकल नैरेटिव, तक नहीं था, कि उन्होंने चीजों को समग्र रूप से देखने और यह देखने के लिए हमारी आंखें खोलनी शुरू कर दीं कि सामग्री को एक साथ कैसे रखा गया था। वह द आर्ट ऑफ बाइबिलिकल पोएट्री भी लेकर आए। जेम्स कुगेल ने द आर्ट ऑफ पोएट्री के साथ भी कुछ ऐसा ही किया।

इसलिए, लगभग 1980 से साहित्य साहित्य को देखने के इस समग्र तरीके के बारे में चिंतित रहा है। इसलिए, मुझे लेंस लगाना सीखना पड़ा, जो मेरी सामग्री को देखने का एक नया तरीका है। मैंने मज़ाक में कहा, मेरा इरादा छात्रों को प्रोत्साहित करने का था, जब तक मैं लगभग 55 वर्ष का नहीं हो गया, तब तक मैंने बाइबल पढ़ना सीखना शुरू नहीं किया और लगभग 65 वर्ष की आयु तक मैं इसमें और अधिक कुशल हो गया। यह महसूस करने के लिए कि कविता को काव्यशास्त्र

के अनुसार कैसे पढ़ा जाए और इसे एक साथ कैसे रखा जाए, यह समझने में मुझे थोड़ा आत्मविश्वास था।

जब मैंने लगभग 65 वर्ष की आयु में कहा, तो मेरा आशय विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना था, मैं बाइबल पढ़ना सीखना शुरू कर रहा हूँ। उन्होंने कहा, ओह, बढ़िया. तो वैसे भी, मैं नहीं जा रहा हूँ, मैं कविता की तकनीकें देने जा रहा हूँ।

पृष्ठ 299 पर, हम उस कीवर्ड के बारे में बात करेंगे जो सामग्री को एक साथ रख सकता है। पृष्ठ 300 पर, मैं परहेज़ और कैसे के बारे में बात करता हूँ, देखिए यह सब वास्तव में दोहराव के विभिन्न रूप हैं। तो, आपके पास एक कीवर्ड की पुनरावृत्ति है।

आपके पास एक परहेज़ की पुनरावृत्ति है जो इसे एक साथ रखती है। मैं इसे भजन 49 से स्पष्ट करने जा रहा हूँ, परहेज़ का महत्व। पृष्ठ 302 पर, यह सी होना चाहिए। कंट्रास्ट कि आप कंट्रास्ट की तलाश करना सीखें।

और डी. आप सामग्री के बीच तुलना करना सीखते हैं। आप तर्क पर नजर रखते हैं और आप चरमोत्कर्ष पर नजर रखते हैं और आप विभिन्न प्रकार की संरचना पर नजर रखते हैं। तो इस व्याख्यान में हम इसी प्रकार की सामग्री पर चर्चा कर रहे हैं।

मोटे तौर पर इस विषय का परिचय देने के बाद, भाग दो काव्यात्मक है, जिसका अर्थ है कि इसे एक साथ कैसे रखा गया है? और परिभाषा वे साहित्यिक उपकरण हैं जिनका उपयोग एक लेखक अपनी रचना के निर्माण और अपने मूल्यांकनात्मक दृष्टिकोण को संप्रेषित करने के लिए करता है। दूसरे शब्दों में, कथावाचक की तरह कवि का भी एक दृष्टिकोण होता है। उसके पास एक संदेश है और वह अपने संदेश को सौंदर्यशास्त्र, कलात्मक रूपों और कलात्मक तरीकों के माध्यम से संप्रेषित करता है।

और हम उस कलात्मकता को देख रहे हैं जिसके द्वारा वह अपने संदेश को संप्रेषित करने के लिए कविता को एक साथ रखता है। आम तौर पर, साहित्य में, इसे एक विचार के रूप में संदर्भित किया जाता है, लेकिन चूंकि संदेश में इसके बारे में एक नैतिक अनिवार्यता है, चूंकि विचार में सत्य की प्रतिक्रिया की मांग है, मैं किसी विचार के बजाय इसके संदेश के बारे में बात करना पसंद करूंगा। पोएटिक्स पर अपनी पुस्तक में एडेल बर्लिन कहती हैं, यह एक आगमनात्मक विज्ञान है जो साहित्य के सामान्य सिद्धांतों को उन सिद्धांतों की कई अलग-अलग अभिव्यक्तियों से अमूर्त करने का प्रयास करता है जैसा कि वे वास्तविक साहित्यिक ग्रंथों में होते हैं।

इसलिए, कई ग्रंथों की तुलना से हम उन तकनीकों का सार निकालना सीखते हैं जिनके द्वारा कवि ने अपनी सामग्री लिखी और बनाई। काव्यशास्त्र का मूल उद्देश्य किसी पाठ से अर्थ निकालना नहीं है, बल्कि साहित्य के निर्माण खंडों और उन नियमों को खोजना है जिनके द्वारा उन्हें इकट्ठा किया जाता है। वह अन्यत्र कहती है, हम नहीं जानते कि किसी पाठ का क्या अर्थ है जब तक हम यह नहीं जानते कि इसका क्या अर्थ है।

और हम इन बिल्डिंग ब्लॉक्स को देखेंगे जो हमें यह समझने में सक्षम बनाते हैं कि इसका क्या मतलब है ताकि हम इसका मतलब समझ सकें। वह कहती हैं, इस प्रकार साहित्य के लिए काव्यशास्त्र उसी प्रकार है, जिस प्रकार भाषा के लिए भाषाविज्ञान है। अर्थात्, काव्यशास्त्र साहित्य के मूल घटकों और उनके उपयोग को नियंत्रित करने वाले नियमों का वर्णन करता है।

काव्यशास्त्र मानो साहित्य का व्याकरण लिखने का प्रयास करता है। और इसलिए मैं यहां व्याख्या करता हूं, हमें पहले यह जानना होगा कि किसी पाठ का अर्थ क्या है, इससे पहले कि हम यह जान सकें कि इसका क्या अर्थ है। मैं उन अन्य उद्धरणों को छोड़ रहा हूँ।

यह विचार कि वे लेखक हैं, पुनर्लेखक नहीं, कविता की तुलना में कथा के लिए अधिक उपयुक्त है। अब मैं पृष्ठ 299 पर जा रहा हूँ और मैं स्वयं उन तकनीकों को देखूंगा कि साहित्य को एक साथ कैसे रखा जाता है और हमें क्या खोजना चाहिए। तकनीकों में से एक एक कीवर्ड है जो सामग्री के माध्यम से चलता है और उसे एक साथ रखता है।

और कुंजी शब्द संदेश को समझने में भी योगदान देता है। मार्टिन बुबर्ट ने लेटवॉर्ट शब्द गढ़ा , जिसका अर्थ है साहित्य का मार्गदर्शन करने वाला अग्रणी शब्द। वह इसे एक शब्द या शब्द मूल के रूप में परिभाषित करता है जो किसी पाठ या पाठों के अनुक्रम या पाठों के एक परिसर के भीतर सार्थक रूप से दोहराया जाता है।

उन्होंने आगे कहा, जो लोग इन पुनरावृत्तियों पर ध्यान देते हैं वे पाठ का एक अर्थ प्रकट या स्पष्ट या किसी भी दर पर अधिक सशक्त बना पाएंगे। इसलिए, उदाहरण के लिए, भजन 2 में, मुख्य शब्द भगवान और राजा हैं। प्रत्येक श्लोक भगवान और राजा के बारे में बात करता है।

अन्यजातियों का विद्रोह प्रभु और राजा के विरुद्ध है। यह प्रभु ही है जो अपने राजा को सिंघासन पर स्थापित करता है। राजा उसे सिंघासन पर स्थापित करने के लिए प्रभु के आदेश को पढ़ता है।

भजनहार राजाओं को प्रभु की सेवा करने और सूर्य को चूमने के लिए प्रोत्साहित करता है। और एक बार जब आप इसे देख लेते हैं, तो यह उस भजन को थोड़ा और अधिक स्पष्ट रूप से खोलना शुरू कर देता है। यह भगवान और उसके राजा और उनके संबंधों के बारे में है।

एक और चीज़ जिस पर आप नज़र रखते हैं, वह न केवल एक कीवर्ड है, बल्कि आप बार-बार दोहराए जाने वाले शब्द पर भी नज़र रखते हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, हम इसे भजन संहिता 42 और 43 में पहले ही देख चुके हैं। आशय यह है कि यह राजा निर्वासन में है।

वह मंदिर वापस जाने के लिए उत्सुक है। परन्तु वह तीन बार कहता है, तू क्यों उदास है? मेरे अंदर इतनी अशांति क्यों है? अपनी आशा परमेश्वर पर रखो, क्योंकि मैं अब भी उसकी, अपने उद्धारकर्ता और अपने परमेश्वर की स्तुति करूंगा। तो, तीनों बार, तीनों छंदों के साथ, वह इस कथन के साथ समाप्त होता है कि हाँ, हम हतोत्साहित हैं।

हाँ, हम मंदिर से दूर हैं। मैं इसके लिए तरसता हूँ। मुझे उस स्थिति से नफरत है जिसमें मैं खुद को पाता हूँ।

फिर भी, हे मेरे प्राण, प्रभु की बाट जोहता रह, प्रभु पर आशा रख। और वह अपनी व्याकुल स्थिति के लिए उपचार पाता है। अब मैं परहेज के महत्व को दर्शाने के लिए एक ज्ञान स्तोत्र को देखने जा रहा हूँ।

इसलिए, मैं आपको मेरे साथ भजन 49 की ओर चलने के लिए आमंत्रित करता हूँ। मुझे लगता है कि मैंने लिखा है, मुझे नहीं लगता कि मैंने यहां पूरी बात लिखी है। तो, हमें इसे पढ़ने की जरूरत है।

मैं एनआईवी और भजन 49 से पढ़ रहा हूँ। यह संस ऑफ कोराच द्वारा लिखा गया है। वैसे भी, यह एक ज्ञान स्तोत्र है।

इसलिए, हम एक या दो व्याख्यानों में ज्ञान स्तोत्र लेने जा रहे हैं, लेकिन आइए समय से पहले एक का स्वाद चखें, जो एक परहेज के महत्व को स्पष्ट करेगा। पहले मुझे भजन पढ़ने दो। यह कोराच के संस से संबंधित है और इसे एक तार वाले वाद्य यंत्र की संगत में गाया जाता था।

हे सब लोगो, सुनो, हे जगत के सब रहनेवालों, क्या छोटे, क्या ऊंचे, क्या धनी, क्या गरीब, सुनो। मेरा मुँह ज्ञान की बातें बोलेगा। मेरे हृदय का ध्यान तुम्हें समझ देगा।

मैं एक कहावत की ओर कान लगाऊंगा। वीणा के साथ, मैं अपनी पहली को उजागर करूंगा, सचमुच अपना दिल खोलूंगा। जब बुरे दिन आयेंगे, जब दुष्ट धोखेबाज मुझे घेर लेंगे, तब मुझे क्यों डरना चाहिए? जो अपने धन पर भरोसा रखते हैं और अपने बड़े धन पर घमण्ड करते हैं।

कोई भी दूसरे के जीवन का उद्धार नहीं कर सकता या परमेश्वर को उनके बदले में फिरौती नहीं दे सकता। जीवन की फिरौती महँगी है। कोई भी भुगतान कभी भी पर्याप्त नहीं होता।

ताकि वे सदैव जीवित रहें और उनका क्षय न हो। क्योंकि सब देख सकते हैं कि बुद्धिमान मर जाते हैं, और मूर्ख और नासमझ भी नाश हो जाते हैं, और अपना धन दूसरों के लिये छोड़ देते हैं। उनकी कब्रें हमेशा उनके घर बनी रहेंगी, अनंत पीढ़ियों तक उनके निवास स्थान बने रहेंगे, भले ही उन्होंने ज़मीनों का नाम अपने नाम पर रखा हो।

लोग अपनी धन-दौलत के बावजूद सहन नहीं करते। वे उन पशुओं के समान हैं जो नष्ट हो जाते हैं। यह उन लोगों का भाग्य है जो खुद पर भरोसा करते हैं और उनके अनुयायियों का जो उनकी बातों का अनुमोदन करते हैं।

वे भेड़ों की तरह हैं और मरना तय है। मृत्यु उनका चरवाहा होगी, परन्तु भोर को सीधे लोग उन पर प्रबल होंगे। उनके रूप उनके पुरोहिती भवनों से दूर, कब्र में सड़ जायेंगे।

परन्तु परमेश्वर मुझे मृतकों के लोक से छुड़ाएगा। वह मुझे अवश्य अपने पास ले लेगा। जब दूसरे धनवान हो जाएं, जब उनके घरों का वैभव बढ़ जाए, तब घबराना मत, क्योंकि मरने पर वे अपने साथ कुछ न ले जाएंगे।

उनका वैभव उनके साथ नहीं उतरेगा। परन्तु जब तक वे जीवित रहते हैं, वे स्वयं को धन्य मानते हैं। जब आप समृद्ध होते हैं तो लोग आपकी प्रशंसा करते हैं।

वे उन लोगों में शामिल हो जाएंगे जो उनसे पहले जा चुके हैं और फिर कभी जीवन की रोशनी नहीं देख पाएंगे। जिन लोगों के पास धन है, लेकिन समझ की कमी है, वे नष्ट हो जाने वाले जानवरों के समान हैं।" भजन में तीन छंद हैं। पहला छंद परिचय है।

हमने सीखा कि यह एक ज्ञान स्तोत्र है। इन चार श्लोकों में दो चरण हैं। सबसे पहले, श्लोक एक और दो में, वह हमें अभिभाषकों से परिचित कराते हैं।

श्लोक तीन और चार में, वह हमें लेखक के रूप में अपना परिचय देते हैं। वह स्पष्ट रूप से एक ऋषि हैं जो लोगों को शिक्षा दे रहे हैं। इसलिए, परिचय के माध्यम से, संबोधनकर्ताओं के माध्यम से, वह सभी लोगों को संबोधित करके शुरुआत करते हैं।

यह ज्ञान साहित्य के बारे में सत्य है। इसे तुम सब सुनो, इस संसार में रहने वाले सब लोग सुनो। और फिर उस व्यापक कथन के बाद, वह इसे दो अलग-अलग प्रकार के गुणवाद तक सीमित कर देता है, निम्न और उच्च, अमीर और गरीब।

तो, जैसा कि हम देखेंगे, उसके पास केवल एक कहावत होगी, एक पाठ, लेकिन पाठक अलग-अलग प्रतिक्रिया देंगे। दूसरे शब्दों में, हम सभी अपनी स्थिति के अनुसार पाठ को अलग-अलग तरीके से सुनते हैं। ऐसा नहीं है कि पाठ का अर्थ बदल जाता है, बात यह है कि श्रोता पाठ को सुनने के तरीके में भिन्न होते हैं।

इसलिए, उदाहरण के लिए, यहां, निम्न, जो भी स्थिति हो, उन्हें आराम दिया जाएगा। जो ऊंचे पद पर हैं, उन्हें चेतावनी दी जाएगी। अमीरों को शांत किया जाएगा और गरीबों को सांत्वना दी जाएगी।

तो, कुछ को सांत्वना दी जाएगी और कुछ को चेतावनी दी जाएगी। आपकी स्थिति के आधार पर कुछ को शांत किया जाएगा और कुछ को सांत्वना दी जाएगी। यह कहावत आपको अलग ढंग से सुनने को मिलेगी।

इसलिए मेरे लिए यह कहना बहुत कठिन है कि जब मैं व्याख्यान दे रहा होता हूं तो मैं छात्रों के बीच क्या होने की उम्मीद करता हूं? क्योंकि मैं जानता हूं कि आत्मा इसे प्रत्येक व्यक्ति पर अलग ढंग से लागू करेगा। मेरी ज़िम्मेदारी पाठ की सच्चाई को सिखाना है और फिर आत्मा को इसे दर्शकों पर उचित रूप से लागू करने की अनुमति देना है। लेकिन अब हमें लेखक से मिलवाया गया है, जिसमें कहा गया है कि हमारे पास ऐसे चरम लोग हैं, लेकिन यह सभी लोगों के लिए है।

तब वह अपने विषय में कहता है, कि मैं ज्ञान की बातें कहूंगा। मेरे हृदय का ध्यान तुम्हें यह समझ देगा कि सार तो होगा, परंतु उसका स्वरूप कहावत के रूप में होगा। मैं वीणा बजाते हुए अपना कान एक नीतिवचन की ओर लगाऊंगा।

मैं अपनी पहेली समझाऊंगा. तो, यह एक कहावत होने वाली है और यह कहावत कुछ हद तक रहस्यमय होने वाली है। यह हमें इसके बारे में सोचने, इसका मतलब निकालने के लिए मजबूर करने वाला है।

पहले छंद में उनकी कविता पेश करने के बाद, अब हम उन दो छंदों पर आते हैं जो खंडन द्वारा विभाजित हैं। श्लोक 12 और श्लोक 20 में पाया जाता है। आप इसे देख सकते हैं, यह लगभग दोहराया गया है।

लोग अपनी धन-संपदा के बावजूद सहन नहीं करते। वे उन पशुओं के समान हैं जो नष्ट हो जाते हैं। और फिर, श्लोक 20 में, जिन लोगों के पास धन तो है, लेकिन समझ की कमी है, वे नष्ट होने वाले जानवरों के समान हैं।

अनुवादित शब्द, जैसे हैं, कहावत के लिए एक ही शब्द है। कहावत के लिए हिब्रू शब्द मशाल है। यह एक मौखिक रूप है। यह निमशाल है। और इसलिए, कहावत तुलना है। और इसलिए, वह लोगों की तुलना जानवरों से कर रहा है, ऐसे जानवर जो नष्ट हो जाते हैं, लेकिन वह उसके साथ खेलने जा रहा है।

और यह परहेज महत्वपूर्ण है। ये कहावत है। इसे दो बार दोहराया गया है।

यह कविता को दो भागों में विभाजित करता है। और इसलिए, आपके पास पहले छंद के लिए आठ छंद हैं, यानी छंद पांच से 12 तक, यानी आठ छंद। और फिर आपके पास दूसरे श्लोक के लिए आठ छंद हैं, जो 13 से 20 तक हैं।

अब वह जो कर रहा है वह यह है कि वह लोगों की तुलना जानवरों से करने के बारे में विस्तार से बताएगा जो नष्ट हो जाते हैं। और पहले श्लोक में उनका कहना है कि हर कोई जानवर की तरह मरता है। वे सभी नष्ट हो जाते हैं।

और आप ध्यान दें, वह कहते हैं, पद 10 में यह सच है, क्योंकि सभी देख सकते हैं कि बुद्धिमान मर जाते हैं, मूर्ख और नासमझ भी नष्ट हो जाते हैं, और अपना धन दूसरों के लिए छोड़ देते हैं। तो, यह कोहेलेट के समान है कि मृत्यु एक समतल है और हर कोई जानवरों की तरह मर जाएगा। लेकिन दूसरा श्लोक दुष्टों तक ही सीमित है।

हर कोई मरता है, लेकिन दुष्ट लोग स्थायी रूप से मरते हैं, लेकिन धर्मी नहीं। हिब्रू पाठ में, श्लोक 12 और श्लोक 20 के बीच एक अंतर है। और सब कुछ एक जैसा है, सिवाय इसके कि जहां लोग अपनी संपत्ति के बावजूद कहते हैं।

और फिर कहता है, सहना मत. मैं आपको यह पेज 301 पर देता हूं। मुझे लगता है कि इससे बेहतर अनुवाद से मानव जाति अपने आडंबर में नहीं रहेगी या टिक नहीं पाएगी।

और न रहेगा या न टिकेगा के लिए हिब्रू शब्द हिब्रू बाल है यालिन . बल एक रूप है, यह युगारिटिक में पाया जाने वाला एक प्राचीन रूप है, यानी नहीं। वे नहीं करेंगे और यालिन का अर्थ है सहना।

वह उन पशुओं के समान है जो नष्ट हो जाते हैं। अब, यदि आप अगली पंक्ति की ओर मुड़ते हैं, श्लोक 20 में दूसरा खंड, यह अब पृष्ठ के शीर्ष पर पृष्ठ 302 पर है, जबकि यह अपने धूमधाम में आदमी है, लेकिन अब यह यालिन से याविन में बदल जाता है। इसे उजागर करने के लिए, यह नहीं के लिए एक अलग क्रियाविशेषण का उपयोग करता है, बाल के बजाय यह लो का उपयोग करता है, लेकिन वे पर्यायवाची हैं।

असली अंतर एक अक्षर का है. यही कारण है कि यह रहस्यमय है. एक पहेली है.

यह वह तरीका है जिससे ऋषि काम करते हैं जो सहन नहीं होगा, यालिन जो हर किसी को संदर्भित करता है, लेकिन यह नहीं समझता कि वह मूर्ख है। वह लो याविन है। तो हिब्रू में, आप इसे बहुत स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, यह वाक्य जो चल रहा है।

हर कोई सहन नहीं कर सकता, परन्तु जो लोग स्थायी रूप से मर जाते हैं वे अज्ञानी हैं। और इसलिए यही अंतर है. सभी मरते हैं, लेकिन सभी हमेशा के लिए नहीं मरते।

अब, एक बार जब हम उस परहेज को समझ लेते हैं, तो हम उस कहावत को समझ सकते हैं कि पहले श्लोक में जो विकसित होने वाला है वह यह है कि सभी लोग जानवरों की तरह मरते हैं। पृष्ठ 301 पर, मैं अपना स्वयं का अनुवाद देता हूँ। यहां होता यह है कि ईश्वर वह है जो आपको सुरक्षा और महत्व देता है।

इसी तरह मैं ईश्वर को समझ पाऊंगा। आपके जीवन में जो कुछ भी आपको सुरक्षा देता है और आपको महत्व देता है, वही आपका भगवान है। आप इसी के लिए जीते हैं।

आप इसी पर भरोसा करते हैं। और अधिकांश लोगों के लिए, यह पैसा है। यह पैसा ही है जो उन्हें सुरक्षा देता है।

यह पैसा ही है जो उन्हें महत्व देता है। जब आप छोटे होते हैं, तो यह सेक्स अपील ही होती है जो आपको सुरक्षा और महत्व देती है। यदि आपमें यौन आकर्षण नहीं है, तो आपके समूह में सुरक्षा नहीं है और समूह में आपका कोई महत्व नहीं है।

दुनिया में इसी तरह काम होता है. यदि आप मेरे जैसे हैं, और आपके पास पैसा नहीं है और आपके पास कोई यौन अपील नहीं है, तो आप उपदेश और शिक्षण में अपनी सुरक्षा और महत्व पा सकते हैं। वही आपका भगवान बन सकता है और वही आपको सुरक्षा प्रदान करता है।

लेकिन वह यहां पैसा कमाने के बारे में बात कर रहे हैं, जो कि दुनिया है, मैं कहूंगा कि 99.9% लोग कहेंगे, यदि आप अमीर हैं, तो आप सफल थे। उन्होंने जीवन में अच्छा प्रदर्शन किया. इसी तरह से दुनिया इसका मूल्यांकन करती है।

वह इसी से निपट रहा है। यह वास्तव में थियोडिसी है। जब दुनिया सफलता को परिभाषित करती है तो अमीर लोग सफल होते हैं तो हम इसे कैसे संभालेंगे? सो वह कहता है, संकट के समय मैं क्यों डरूं, जब जो मुझे धोखा देते हैं, अर्थात् जो अपने धन पर भरोसा रखते, और अपने धन की बहुतायत पर घमण्ड करते हैं, उनके अधर्म ने मुझे घेर लिया है।

तो, वे उनका भरोसा देखते हैं और आप उनका महत्व, उनका घमंड देखते हैं, और वे इसे पाने के लिए अपनी आत्मा बेचने को तैयार हैं। फिर वह आगे कहता है, सचमुच कोई भी मनुष्य दूसरे को फिरौती नहीं दे सकता या अपने जीवन की कीमत परमेश्वर को नहीं दे सकता क्योंकि उनके जीवन की फिरौती महंगी है और कभी भी पर्याप्त नहीं हो सकती। तो, यदि सूर्य एक जेब में सोने का सिक्का था और चंद्रमा, दूसरे में चांदी का सिक्का, एक आकाशगंगा थी, आपके गले में हार के मोती थे, या वे उज्ज्वल सितारे, नक्षत्र, मुकुट में हीरे थे या एक मुकुट में, मृत्यु के दिन, इसका कोई मूल्य नहीं है।

यह अधर्मी मैमन है। यह हमें हमारे सबसे बड़े शत्रु, जो कि मृत्यु है, से नहीं बचा सकता। तो, कोई भी धनराशि आपको नहीं बचाएगी जिसके लिए आप हमेशा जीवित रहें और गड्डे को देखें।

यह हर किसी के लिए सच है। क्योंकि वह देखता है कि बुद्धिमान भी मर जाते हैं, मूर्ख और मूर्ख, सभी समान रूप से नष्ट हो जाते हैं और अपना धन दूसरों के लिए छोड़ देते हैं। उनकी कब्रें हमेशा के लिए उनके घर हैं, सभी पीढ़ियों के लिए उनके निवास स्थान हैं, हालांकि वे भूमि को अपने नाम से बुलाते हैं।

आप पानी पर भी अपना नाम लिख सकते हैं। इसका इस संसार में कोई स्थायित्व नहीं है। और इसलिए, वह परहेज करने के लिए आता है, आदमी उसकी धूमधाम में नहीं रहेगा। वह उस पशु के समान है जो नष्ट हो जाता है। परन्तु अब मूर्ख सदा के लिये मर जाता है। सभी मरते हैं, परन्तु मूर्ख सदैव के लिये मर जाता है।

उसका कोई जीवन नहीं है। यह उन सभी का मार्ग है जो मूर्खतापूर्ण विश्वास रखते हैं। फिर भी उनके बाद लोग उनकी डींगों को स्वीकार करते हैं।

तब आपके पास यह जबरदस्त मेटासिम्बोलिज्म है। वे उन भेड़ों के समान हैं जो अधोलोक के लिये नियुक्त की गई हैं और मृत्यु उनका चरवाहा होगा। कल्पना करें कि मृत्यु आपका चरवाहा है, जो आपको भ्रष्टाचार, मृत्यु, क्षय और जीवनहीनता की ओर ले जा रही है।

वह तुम्हारा चरवाहा है। परन्तु अब ध्यान रखो, भोर को सीधे लोग उन पर प्रभुता करेंगे। और यहाँ हमारे पास भेद है।

नये दिन में सीधे लोग उन पर प्रभुता करेंगे। उसके पास अभी तक पुनरुत्थान का कोई स्पष्ट रहस्योद्घाटन नहीं है जो मृतकों में से यीशु मसीह के पुनरुत्थान द्वारा प्रकाश में लाया गया है। परन्तु वह जानता है कि एक बेहतर दिन आने वाला है जब सीधे लोग, जो अपना जीवन पूरी तरह से परमेश्वर के वचन के अनुसार अपनाते हैं, वे सुबह उन पर शासन करेंगे।

परन्तु फिर वह दुष्टों के पास लौट जाता है। उनका स्वरूप अधोलोक में नष्ट हो जाएगा और रहने के लिए कोई जगह नहीं रहेगी। लेकिन अब ध्यान दें, जबकि तीसरी पंक्ति, 5, 6, और 7, और वह कहता है, वास्तव में कोई भी व्यक्ति दूसरे को फिरौती नहीं दे सकता।

अधोलोक की शक्ति से छुड़ाएगा। इसलिए, कोई भी मनुष्य हमें मृत्यु से नहीं बचा सकता, परन्तु परमेश्वर हमें अधोलोक से, मृतकों के राज्य से बचा सकता है। जब उसके घर की महिमा शक्ति से बढ़ जाएगी, क्योंकि वह मुझे ले लेगा।

यह एलिय्याह के लिए प्रयुक्त शब्द है कि प्रभु ने उसे उठा लिया। और इसलिए उसके पास सारा है। सो वह कहता है, जब कोई धनवान हो जाए, और उसके घर का वैभव बढ़ जाए, तब मत डरना।

क्योंकि जब वह मरेगा, तो अपने साथ कुछ भी न ले जाएगा। उसके बाद उसकी महिमा कम नहीं होगी। यद्यपि जब तक वह जीवित है, वह अपने आप को धन्य मानता है।

हालाँकि जब आप अपने लिए अच्छा करते हैं तो आपको प्रशंसा मिलती है, उसकी आत्मा उसके पिता की पीढ़ी के पास चली जाएगी जो फिर कभी उस रोशनी को नहीं देख पाएगी, जो जीवन की रोशनी है। और इसलिए, बिना समझ के अपने आडंबर में मनुष्य उस जानवर के समान है जो नष्ट हो जाता है। तो, परहेज, और मैं यह कह रहा हूँ, आप नहीं जानते कि किसी पाठ का क्या अर्थ है जब तक आप यह नहीं जानते कि इसका अर्थ क्या है।

और भजन 42, 43 के अनुसार यह परहेज करें, अपनी आशा परमेश्वर पर रखें। यह परहेज इस स्तोत्र को समझने की कुंजी है कि हम सभी मरते हैं, लेकिन बिना समझे लोग हमेशा के लिए मर जाते हैं। और परमेश्वर मेरे प्राण को कब्र से ही छुड़ा लेगा।

तो यह परहेज का महत्व है। इसलिए, मैंने तकनीकों के बारे में बात की है और आप उन परहेजों पर नजर रख रहे हैं जो आपको भजन के अर्थ के बारे में जानकारी देते हैं। वे बहुत महत्वपूर्ण हैं।

पृष्ठ 302, यह सी होना चाहिए और आपके पास कंट्रास्ट है। यह उन चीजों को जोड़ता या जोड़ता है जो असमान या विपरीत हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, यह सब कथा और गद्य के साथ-साथ कविता में भी चित्रित किया जा सकता है।

विरोधाभास और तुलना का मेरा पसंदीदा चित्रण न्यायाधीशों की पुस्तक के अंत में है, उसके बाद 1 सैमुअल है। हमारे पास, यह इज़राइल पर फिलिस्तीन की श्रेष्ठता का समय है। और न्यायियों का अन्तिम न्यायाधीश सैमसन है।

उनके पिता मानोह हैं। उनकी माँ को केवल मानोह की पत्नी के रूप में जाना जाता है। मानोह की पत्नी की तुलना हन्ना से की जा रही है।

सैमसन के बाद हन्ना अगली पीढ़ी है। तुलना पर ध्यान दें। यह मानोह की पत्नी है।

उसकी कोई संतान नहीं है। वह बंजर है। उसकी कोई संतान नहीं हो सकती।

और यहाँ हन्ना है, पलिशती कब्जे या श्रेष्ठता, आधिपत्य में अगली पीढ़ी। और उसकी कोई संतान नहीं है, लेकिन अंतर पर ध्यान दें। मानोह की पत्नी प्रार्थना नहीं करती।

दरअसल, वह शायद बच्चा नहीं चाहती। हन्ना प्रार्थना करती है। मानोह की पत्नी के पास इज़राइल का सबसे करिश्माई न्यायाधीश है।

वह अकेले ही पलिशती सेना को हरा सकता था। उसने गोलियथ के साथ ऐसा किया। उसने फिर कर दिखाया।

नहीं, डेविड ने गोलियथ के साथ ऐसा किया। मेरा मतलब है, उसने ऐसा किया कि गधे के जबड़े की हड्डी से उसने हजारों पलिशतियों को मार डाला। अपनी मृत्यु में, जब उसने मंदिर को गिराया, तो उसने नेताओं को मार डाला।

उसने हजारों पलिशतियों को मार डाला। सैमसन जैसा करिश्माई कोई नहीं था। तो, मानोह की पत्नी के पास कोई प्रार्थना नहीं है, बल्कि प्रभु का एक दूत उसके सामने प्रकट होता है।

यह एक सच्चा चमत्कार है। उसके पास यह सबसे करिश्माई व्यक्तित्व है और वह इज़राइल का उद्धार नहीं करता है। और फिर हमारे पास हन्ना है, प्रभु का कोई दूत नहीं, कोई चमत्कार नहीं, बस प्रार्थना है।

वह एक पुत्र चाहती है और वह राजा से संबंधित पुत्र के लिए प्रार्थना करती है। आप 1 शमूएल 2 में उसकी प्रार्थना सुनें। वह प्रभु के अभिषिक्त राजा के लिए प्रार्थना कर रही है। उसका बेटा इज़राइल के पहले राजा को स्थापित करने और राजसत्ता स्थापित करने जा रहा है।

खैर, वहाँ आप एक ही स्थिति में दो माताओं की तुलना और विरोधाभास देखते हैं। एक माँ का चमत्कार है। उनमें बहुत करिश्मा है, लेकिन माता-पिता के रूप में वह और उनके पति असफल हैं।

दूसरी ओर, हन्ना, आपके पास कोई चमत्कार नहीं है, बस प्रार्थना है। सैमसन एक भविष्यवक्ता है। उसके पास जो कुछ है वह सैमसन के लिए बड़ी ताकत नहीं है।

उसके पास केवल परमेश्वर का वचन है। वह नैतिक शक्ति है और वह इज़राइल को बचाता है। तो यह तुलना और विरोधाभास आपको इस बात की जबरदस्त जानकारी देता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे आता है।

इसलिए, जब आप तुलना और कंट्रास्ट के लिए अपनी सामग्री पढ़ रहे हों तो आप देखें। तो पहला स्तोत्र विरोधाभास से भरा हुआ था। हमने कहा कि तीन श्लोक हैं, जो खुशी या आशीर्वाद का कारण हैं।

तब हमारे सामने समृद्धि की तस्वीर थी. तो, कारण परमेश्वर के वचन के विपरीत दुष्टों के विरुद्ध था। चित्रण जीवन का वृक्ष बनाम भूसी था।

इसका परिणाम यह हुआ कि धर्मी लोग न्याय में टिक नहीं सकेंगे। वे नाश हो जायेंगे, परन्तु धर्मी लोग खड़े होंगे जो प्रभु धर्मियों का मार्ग जानते हैं। तो, आप वहां चल रही जबरदस्त तुलना और विरोधाभास को देखते हैं।

यह काव्यशास्त्र की बहुत खासियत है कि आपको तुलना और विरोधाभास की तलाश में लेंस लगाना चाहिए। हमने भजन 23 में तुलना देखी। हमने तीन अलग-अलग सेटिंग्स देखीं जिनमें भगवान की तुलना एक चरवाहे से की गई है।

एक चरवाहे के रूप में, वह अपनी भेड़ों का भरण-पोषण करता है। वह अपनी भेड़ों को पुनर्स्थापित करता है। वह अपनी भेड़ों की रक्षा करता है।

फिर पांचवें श्लोक में, वह एक तंबू में शेख की तरह बन जाता है और यह सब दोहराया जाता है, लेकिन आगे बढ़ता है। अब वह उन्हें उनके सामने एक मेज़ बिछाकर देता है। वह उन्हें पुनर्स्थापित करता है।

वह अपने सिर पर तेल डालता है और यह सब सुरक्षित रहता है। यह सब उसके शत्रु की उपस्थिति में है। फिर वह जलवायु की दृष्टि से अंतिम दृश्य की ओर बढ़ता है।

चरागाह में भेड़ बनना अच्छा है, तंबू में मेहमान बनना और भी अच्छा है। परन्तु वास्तविकता यह है कि मैं अनन्त जीवन के साथ सदैव प्रभु के घर में निवास करूँगा। इसलिए हमारे पास सामग्री विकसित करने के लिए यह तुलना है।

साथ ही, हमें इस तर्क पर भी ध्यान देना चाहिए कि भजन 2 की तरह सामग्री का विकास कैसे होता है, जब हमने इस तर्क की ओर इशारा किया था कि ये छंद एक साथ कैसे जुड़े रहते हैं। इसके अलावा, हम तीव्रता पर भी नजर रखते हैं। आमतौर पर पंक्तियों के भीतर कविता की तरह तीव्रता होती है।

सूत्र है एक्स शून्य से एक, तीन अपराध, और फिर वास्तविकता आती है कि हमेशा वृद्धि होती है। तो, आप देख सकते हैं कि भजन 23 में, वृद्धि है और आप वृद्धि को देखते हैं। तो, आपके पास भजन में है, एक, यह विजयी रूप से समाप्त होता है कि प्रभु धर्मियों का मार्ग जानता है।

इसलिए, वे शाश्वत के अनुरूप हैं, लेकिन दुष्टों के मार्ग से भगवान से विमुख हो जाते हैं, वे नष्ट हो जाते हैं। तो, कोई भी लगभग हमेशा देखता है कि आपके भजन के अंत में एक चरम क्षण होता है जिसे आप देखना चाहते हैं। अब हम संरचनाओं या संरचना के कुछ पैटर्न के बारे में बात करते हैं।

तीन विशिष्ट पैटर्न हैं जिनके द्वारा सामग्री को एक साथ रखा गया था। एक वैकल्पिक पैटर्न हो सकता है जैसा कि हमने भजन 110 में देखा, आपको एबीसी, ए प्राइम, बी प्राइम, सी प्राइम मिलता है। आपके पास एक संकेंद्रित पैटर्न हो सकता है और वह है आप एबीसी, सीबीए।

और आपके पास एक चियास्टिक पैटर्न हो सकता है। आप एबीसी, एक्स, सी प्राइम, बी प्राइम, ए प्राइम पर जाएं। इसलिए मैं इसकी तुलना वैकल्पिक पैटर्न एबीसी, ए प्राइम, बी प्राइम, सी प्राइम से करता हूँ।

वे अंदर आने वाली लहरों की तरह हैं और एक लहर के ऊपर दूसरी लहर होती है। और अगली लहर हमेशा पिछली लहर से अधिक तीव्र होती है। तो ज्वार आ रहा है।

हमने इसे भजन 110 में देखा। तो अंततः, वह पूरी पृथ्वी पर विजय प्राप्त कर लेता है और वह असफल नहीं होगा। वह इसे आगे बढ़ाने जा रहा है, भले ही उदाहरण के लिए, जब तक वह अपने विजयी मार्च के अंत तक नहीं पहुंच जाता तब तक इसे पानी से ताज़ा किया जाएगा।

एक चियास्टिक पैटर्न एक संकेंद्रित पैटर्न की तरह होता है। मैं इसकी तुलना ज्वार, ज्वार-भाटा, ज्वार-भाटा से करता हूँ। यह अंदर आता है, यह बाहर जाता है।

और फिर आपके पास एक चियास्टिक पैटर्न है। यह तालाब में पत्थर फेंकने जैसा है और फिर वहां से लहरें निकलती हैं। तो, शुरुआत और अंत लाइन के नीचे मेल खाते हैं।

लेकिन महत्वपूर्ण क्षण वह है जहां चट्टान धुरी से टकराती है। और यह संपूर्ण बाइबिल की व्याख्या के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, मैं सममितीय प्रत्यावर्ती पैटर्न का वर्णन करता हूँ।

उदाहरण के लिए, माउंट होरेब पर एलिय्याह की प्रसिद्ध कहानी। मूसा की तरह, वह एक गुफा में है और उसे ईश्वर से रहस्योद्घाटन मिलने वाला है। वैकल्पिक पैटर्न पर ध्यान दें जो व्याख्या करता है कि दृष्टि क्या है।

इसकी शुरुआत इस बात से होती है कि एलिय्याह एक गुफा में है और हमें बताया गया है कि प्रभु का वचन उसके पास आया। इसके बाद प्रभु का प्रश्न आता है। तुम यहाँ क्या कर रहे हो, एलिय्याह? और तब वह उत्तर देता है, मैं सेनाओं के यहोवा के लिये बहुत जोशीला रहा हूँ।

और फिर वह मेरी जान लेने की कोशिश करके खत्म हो जाता है। तब प्रभु उसके पास वापस आते हैं और उससे कहते हैं, उससे बात करते हैं। और फिर हमारे पास दृश्य है।

हमारे पास हवा है जो चट्टानों को तोड़ देती है, लेकिन भगवान हवा में नहीं थे। तभी भूकंप आया और भगवान भूकंप में नहीं थे। और तब आग थी और भगवान आग में नहीं थे।

लेकिन फिर हमारे पास सरासर मौन की ध्वनि का विरोधाभास है। यह इतना ध्वनिपूर्ण था कि आप वास्तव में इसे सुन सकते थे, यूँ कहें तो एक फुसफुसाहट। सवाल यह है कि आग, भूकंप,

हवा, भूकंप, आग और सरासर सत्राटा किसका प्रतीक है? इसका क्या मतलब है? हम इसे प्रत्यावर्ती समानता में प्राप्त करते हैं।

क्योंकि हम फिर से पढ़ते हैं, अब कहानी जारी है, सेटिंग, हमें बताया गया है कि जब आवाज आई तो वह एक गुफा में था। प्रश्न यह है कि एलिजा, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? इसका उत्तर है, मैं प्रभु के प्रति बहुत उत्साही रहा हूँ। और अब वे मेरी जान लेने की कोशिश कर रहे हैं।

तब यहोवा ने कहा, और फिर हम अराम के राजा हजाएल का अभिषेक करते हैं, और अरामी इस्राएल के राजा येहू का अभिषेक करते हैं। और फिर हमारे पास एलीशा का अभिषेक है और वे विनाशकारी हैं क्योंकि इसके समानांतर, हमें बताया गया है कि हजाएल हत्या करने जा रहा है। जिसे हजाएल नहीं मारता, उसे येहू मार डालेगा।

और जिसे येहू नहीं मारता, एलीशा उसे मार डालेगा जैसे उसने 42 बच्चों को मार डाला, उदाहरण के लिए। हाँ, उदाहरण के लिए, बेथेल के 42 बच्चे। समानता से, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि विनाश की हवा हेज़ेल है।

विनाश का भूकम्प येहू है जो मृत्यु लाता है। अग्नि एलीशा है जिसकी विशेषता अग्नि है। लेकिन अब हमारे पास भगवान की सरासर चुप्पी है, वे 7,000 लोग जिन्होंने कभी बाल के सामने सिर नहीं झुकाया।

और होता यह है कि लोग बस कहानी पढ़ते हैं और उसका अर्थ निकाल लेते हैं। यह आपकी अभी भी छोटी आवाज है। लेकिन यदि आप साहित्य का अध्ययन करें, तो यह वह नहीं है।

यह आपका विवेक नहीं है। यह मूक बहुमत है, मूक अल्पसंख्यक है। और सात पूर्ण होने की संख्या है।

यह दिव्य संख्या है। यह एकदम सही संख्या है। और एक हजार एक असंख्य संख्या है।

यह एक बड़ी संख्या है, एक आदर्श बड़ी संख्या है। और जो मैं वैकल्पिक समानता से समझता हूँ वह अभी भी छोटी आवाज की व्याख्या है। इसलिए, जब तक आप यह नहीं जानते कि किसी पाठ का अर्थ क्या है, तब तक आप नहीं जानते कि उसका अर्थ क्या है।

और वे यहां कथा में क्या कर रहे हैं, हमें उन कविताओं में भी मिलता है जिन्हें हम देख रहे हैं। मैं वैकल्पिक समानता की ओर इशारा कर रहा हूँ। या एक और लें, एक संकेंद्रित समानता लें, नहीं, एक चियास्टिक।

मैं इसे 1 राजा 1-11 में गद्य में चित्रित करता हूँ। ध्यान दें कि इसकी शुरुआत ए से कैसे होती है, जो एक भविष्यवक्ता है जो शाही उत्तराधिकार में हस्तक्षेप करता है। यानी नाथन हस्तक्षेप करता है।

तो, यह अदोनियाह नहीं है जो राजा है, बल्कि यह सुलैमान है जो राजा बनने जा रहा है। लेकिन पृष्ठ 305 पर 'ए' पर ध्यान दें, कि सुलैमान के शासनकाल के अंत में, एक भविष्यवक्ता हस्तक्षेप करता है और शाही उत्तराधिकार का निर्धारण करता है। एक भविष्यवक्ता सुलैमान से 10 गोत्र छीनने वाला है।

और वह सुलैमान, अर्थात् रहूबियाम के उत्तराधिकारियों को नियुक्त करने जा रहा है। अध्याय दो, अध्याय एक था, जहां हमारे पास भविष्यवक्ता शाही उत्तराधिकार में हस्तक्षेप करता है। फिर अध्याय दो में, सुलैमान अपनी सुरक्षा के लिए खतरों को समाप्त करता है।

और वहां मुख्य शब्द, परहेज यह है, जैसे सुलैमान का सिंहासन स्थापित किया गया था। इसलिये उसने योआब का भय दूर कर दिया। उसने एबियाथर के खतरे को दूर कर दिया।

उसने अदोनियाह के खतरे को दूर कर दिया और उसका सिंहासन स्थापित हो गया। अध्याय 11 में 'बी' पर ध्यान दें, इससे पहले कि कोई भविष्यवक्ता शाही उत्तराधिकार निर्धारित करे, यहोवा सुलैमान की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर देता है। वह यारोबाम को खड़ा करता है।

वह असीरियन राजा को खड़ा करता है और वे उसके सिंहासन को नष्ट कर देते हैं। यह स्थापित होने के बजाय विघटित हो रहा है। वह सुलैमान की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है।

सी पर ध्यान दें, सुलैमान के शासनकाल का प्रारंभिक वादा जब वह बुद्धि के लिए प्रार्थना करता है। सुलैमान के शासनकाल की दुखद विफलता जब उसने विदेशी पत्नियों से विवाह किया और वह पैसे पर भरोसा करता है और वह पत्नियों और घोड़ों को एक साथ नहीं बढ़ाने के ऊद्युतेरोनोमिक कानून का उल्लंघन करता है। डी, फिर से अध्याय तीन से अध्याय चार तक, सुलैमान लोगों के लिए अपने उपहार का उपयोग करता है।

डी, सुलैमान अपने उपहार का उपयोग अपने लिए करता है। वह विलासितापूर्वक रहता है जैसा कि शेबा की रानी द्वारा दर्शाया गया है और उसकी मेज पर खाने के लिए सब कुछ है। ई, आपके पास मंदिर निर्माण की तैयारी है।

ई, सुलैमान ने मंदिर को समर्पित किया और अध्याय आठ में भगवान ने उसे चेतावनी दी है। एफ, सोलोमन मंदिर बनाता है। एफ, सोलोमन ने मंदिर को सुसज्जित किया।

तो, आप चियास्टिक पैटर्न देख सकते हैं। एक्स पर ध्यान दें, यह 1 राजा 7.1 से 12 तक है, सुलैमान ने मंदिर का निर्माण बंद कर दिया। यहीं पर वह मिस्र की रानी के लिए महल बनाता है और अपना महल बनाता है।

उन्होंने ईश्वर को पहले नहीं रखा। सुलैमान का निर्णायक मोड़ विदेशी पत्नियों से शादी करना नहीं है, जैसा कि आम तौर पर कहा जाता है। सुलैमान के लिए निर्णायक मोड़ तब आया जब उसने मंदिर को पहले स्थान पर रखना बंद कर दिया और उसने अपने घर को पहले स्थान पर रखा।

वहां से, सोलोमन के लिए यह कमोबेश ढलान पर है। बल्कि यह चियास्टिक समानता और चियास्टिक संरचना है। और हमने इसे भजन 92 में देखा।

हम उस भव्य संरचना को देख सकते हैं जिसके केंद्र में, भगवान समग्र रूप से शासन कर रहे हैं और उसके दोनों ओर एक तिरंगे में, भगवान अपने राजा, अपने दुश्मनों को खत्म कर देते हैं। और हमने इसे वहां चित्रित किया। तो, हम कीवर्ड खोजते हैं।

हम बचना चाहते हैं। हम विभिन्न प्रकार की संरचनाओं की तलाश करते हैं, अर्थात् वैकल्पिक, संकेंद्रित, या चियास्टिक। और दूसरी चीज़ जिसे आप खोजते हैं वह है वंश।

यदि आप सामग्री की रूपरेखा बना रहे हैं और यदि आप नहीं जानते कि यह पहले वाले छंद के साथ जाता है या बाद के छंद के साथ या पहले की सामग्री के साथ या बाद की सामग्री के साथ, तो यह बहुत जानबूझकर किया गया है। वह एक जाति है। यह किसी भी तरह जा सकता है।

और वंश द्वारों के परमेश्वर की ओर से है, एक सिर जो दो अलग-अलग तरीकों से देखता था। यह जनवरी का महीना है जो पुराने साल, नए साल की याद दिलाता है। और आम तौर पर एक संक्रमण काल होता है जो पीछे देखना और आगे देखना होता है।

उदाहरण के लिए, हमने इसे भजन 24 में ईश्वर के रूप में एक चरवाहा है और यह सब कुछ है, यह तीसरे व्यक्ति में देखा है। प्रभु मेरा चरवाहा है और वह मुझे शान्त जल आदि के किनारे ले जाता है। लेकिन फिर वह दूसरे व्यक्ति के पास चला जाता है।

हां, चाहे मैं मृत्यु के साये की तराई में होकर चलूं, तौभी विपत्ति से न डरूंगा, क्योंकि तू मेरे साथ है। वह अब भगवान के बारे में बात नहीं कर रहा है। वह अब भगवान से बात कर रहा है और इससे यह बहुत सहज हो जाता है।

इसलिये जब वह अब परमेश्वर को एक तम्बू में शेख के रूप में प्रस्तुत करता है, तो वह कहता है, तू मेरे शत्रु के साम्हने मेरे साम्हने मेज तैयार कर। और इसलिए चरवाहा रूपांकन के अंत में, वह आपको दूसरे श्लोक में स्थानांतरित करने के लिए दूसरे व्यक्ति में स्थानांतरित हो जाता है, जिसका अर्थ है, वह भगवान के तम्बू में अतिथि है। वह एक जाति है।

भजनों में इस प्रकार के संक्रमणकालीन क्षणों का होना बहुत, बहुत आम बात है। उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली एक अन्य तकनीक सामान्यीकरण और विशिष्टता है। तो, सामान्यीकरण यह होगा कि हे मेरी आत्मा, प्रभु की स्तुति करो, और उसके सभी लाभों को मत भूलो।

और यही सामान्यीकरण है। फिर वह अपने सभी लाभों को सूचीबद्ध करता है, जो आपकी सभी बीमारियों को ठीक करता है, इत्यादि। तैयारी और पूर्वाभास भी है।

उदाहरण के लिए, अक्सर विलाप स्तोत्रों में, उसके पास एक परिचयात्मक याचिका होगी और फिर वह उसे विकसित करेगा। उदाहरण के लिए, भजन 51 में यह देखा गया था। वह कहता है, मेरे सब अपराध मिटा दो, और मुझे धो दो, मुझे शुद्ध कर दो, और मुझे शुद्ध कर दो।

वह परिचयात्मक याचिका थी। लेकिन फिर मुख्य याचिका में, उसने भगवान से उसे जूफा से शुद्ध करने और शुद्ध करने के लिए कहा। और उसने माफ़ी मांगी।

तो, आप उसे देख सकते हैं। खैर, आइए बात को और अधिक स्पष्ट करने के लिए भजन 51 पर एक नजर डालें। आप परिचयात्मक याचिका देख सकते हैं।

फिर वह कहता है, दया करके याचना मेरे सब अपराध मिटा देती है। और पद दो, मुझे मेरी अशुद्धता से शुद्ध करो, मुझमें उतरो, मुझे शुद्ध करो। और फिर हमारे पास श्लोक सात में उनकी मुख्य याचिका है, मुझे जूफा से शुद्ध करो और मैं शुद्ध हो जाऊंगा, मुझे धो दो और मैं बर्फ में सही हो जाऊंगा।

इसलिए उन्होंने सफाई के लिए कहा। और फिर फोरेंसिक क्षमा के लिए भी, वह कहता है, अपना चेहरा मेरे पाप से छिपा लो और मेरे सारे अधर्म को मिटा दो। इसलिए, उनके पास एक परिचयात्मक याचिका थी और फिर मुख्य याचिका की तैयारी थी।

फिर, ये सभी तकनीकें हैं जो आपको संपूर्ण साहित्य, बाइबिल साहित्य में मिलती हैं। जैसा कि हमने भजन 73 में देखा, एक सारांश है। तरल पदार्थ ऐसा ही होता है।

वे हमेशा लापरवाह रहते हैं वगैरह-वगैरह। आपसे पूछताछ हो सकती है। यानी, आप एक प्रश्न से शुरुआत करते हैं और फिर प्रश्न का उत्तर देते हैं।

हमने इसे भजन 15 में देखा। आपके पास यह समावेश है कि आप एक लिफाफे के रूप में शुरू और समाप्त होते हैं। यह बहुत, बहुत सामान्य है।

तो, भजन 8 में हमने पाया, हे प्रभु, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। और वह संपूर्ण भजन की रूपरेखा तैयार करता है। आपके पास अंतर्संबंध है।

यानी, आप एक रास्ते पर हो सकते हैं और फिर रुक सकते हैं और पूरी तरह से नई सामग्री पेश कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, न्यायाधीशों और हन्ना की कहानी में, यह सैमसन के साथ समाप्त होने वाले छह प्रमुख न्यायाधीशों को प्रस्तुत कर रहा है। फिर यह अध्याय सात में अगले न्यायाधीश के साथ आगे बढ़ेगा, जो सैमुअल है।

लेकिन बीच-बीच में आपको सामग्री के बारे में अधिक जानकारी देने के लिए एक अंतर्संबंध मिलता है। न्यायाधीशों की पुस्तक वास्तविक समस्या के साथ समाप्त होती है। जैसा कि गैरी एनरिग कहते हैं, न केवल न्यायाधीशों के पैर मिट्टी के हैं, बल्कि असली समस्या पुरोहितवाद की है।

तो, आपके पास पौरोहित्य की विफलता की दो कहानियाँ हैं। आपके पास धर्मत्यागी पुजारी है, जो मूसा का पोता है, जो झूठे पंथ की स्थापना करता है, और दान। फिर आपके पास क्रूर, दुष्ट पुजारी अपनी उपपत्नी के साथ है और वह उसकी हत्या कर देता है।

वह पूरे देश को एक गृह युद्ध में ले जाता है जो बेंजामिन की पूरी जनजाति को लगभग नष्ट कर देता है। वास्तविक समस्या पुरोहित वर्ग की है क्योंकि वे द्वारपाल नहीं हैं। वे परमेश्वर के वचन का पालन नहीं कर रहे हैं।

तो, तुम्हारे पास धर्मत्यागी याजक योनातान है, जो गेशोम का पुत्र, और मूसा का पोता था। फिर आपके पास यह दुष्ट निर्दयी पुजारी है जिसके पास एक उपपत्नी है, वह उसकी हत्या कर देता है, और देश को गृहयुद्ध की ओर ले जाता है। फिर आप 1 शमूएल की ओर आगे बढ़ें और हम एक न्यायाधीश के पास पहुँच सकते हैं, न्यायाधीशों में से अंतिम, जो शमूएल है।

और आपके पास उस तरह का अंतर्संबंध है। भजनों में यह आम बात है। कई बार स्रोत आलोचक यह कहना चाहते हैं कि हमारे पास दो भजन हैं।

मैं इसके प्रति आश्चर्य नहीं हूँ। उदाहरण के लिए, भजन 24 पर एक नज़र डालें। सिंहासनारोहण भजन और भगवान के नियम के बारे में हमने जो कहा है, उसके प्रकाश में यह अधिक समझ में आएगा।

प्रसिद्ध स्तोत्र, दाऊद का स्तोत्र, पृथ्वी और उसमें जो कुछ भी है, संसार और उसमें रहने वाले सभी लोग प्रभु के हैं। क्योंकि उस ने उसे समुद्र पर स्थापित किया, और जल पर स्थिर किया। देखिए, यह मुझे भजन 93 जैसा भयानक लगता है, जहां प्रभु को ऐश्वर्य और शक्ति का वस्त्र पहनाया गया है।

उन्होंने पृथ्वी की स्थापना की। और यह वह बिंदु है जहां भगवान विजयी हुए हैं और दुनिया और सृष्टि की स्थापना की है। और उसने इसे समुद्र पर स्थापित किया, जो अराजकता का प्रतीक है, और वह पानी से भी अधिक शक्तिशाली है।

मैं उस समय उम्मीद करूंगा कि महिमा का राजा शहर में आएगा और उसे ताज पहनाया जाएगा। श्लोक सात, हे फाटकों, अपना सिर ऊंचा करो, हे सनातन द्वारों, ऊंचे रहो। लेकिन यह ऐसा नहीं करता।

यह उसे रोकता है और एक बिल्कुल नया दृश्य प्रस्तुत करता है। और अब न केवल प्रभु विजयी होकर एक नगर में प्रवेश कर रहा है, बल्कि अब उसके लोग भी उसके साथ प्रवेश कर रहे हैं। परन्तु वे कौन लोग हैं जो प्रवेश करते हैं, जो यहोवा के पर्वत पर चढ़ सकते हैं, जो उसके पवित्र स्थान में खड़े हो सकते हैं, जिसके हाथ स्वच्छ हैं, उसका आचरण ऐसा है, उसके इरादों में शुद्ध हृदय है, जो किसी मूर्ति पर भरोसा नहीं करता है या झूठे परमेश्वर की शपथ खाओ।

वे प्रभु से आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और अपने उद्धारकर्ता ईश्वर से पुष्टि प्राप्त करेंगे, जैसे कि उन लोगों की पीढ़ी जो उसे खोजते हैं या आपका चेहरा चाहते हैं। हे याकूब के परमेश्वर! इसलिए वह प्रभु और उसकी विजय के बारे में रुकता है और वह इसका मिलान एक शहर में जाने वाले लोगों से करता है।

और फिर वह तुम्हारे सिरों को ऊपर उठाकर वापस आता है, हे फाटकों ! मैं बस यहां एक क्षण रुक सकता हूं। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि मैं अपना सिर ऊपर उठाने के अर्थ पर कहां चर्चा करता हूं, हे द्वारपाल ।

आइए देखें, मैंने उसकी चर्चा कहां की? ओह, हाँ, मैंने पहले इस पर चर्चा की थी। यह भजन 110 के तहत सिंहासनारूढ़ होगा। हमें भजन 110 पर उस व्याख्यान पर वापस जाना होगा।

मुझे लगता है कि यहीं पर मैं इसकी चर्चा करता हूं। मैं इसे ढूंढने की कोशिश कर रहा हूं. यह आपके नोट्स के पृष्ठ, हाँ, पृष्ठ 296 पर है।

यहीं पर मैंने इस पर चर्चा की कि उसका सिर उठाने का क्या मतलब है, और उसके विजेता होने का क्या महत्व है। मैं इसे भजन 24 से चित्रित कर रहा हूं। आइए अंतर्संबंध के बारे में बात करते हैं।

तो भजन 24 पर वापस जा रहे हैं, लोगों के प्रभु के पर्वत पर चढ़ने और प्रभु के साथ विजय प्राप्त करने के अंतर्संबंध के बाद, क्योंकि वे उसके साथ वाचा रखते हैं और वे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। और वे ही तुम्हारे मुख के खोजी हैं। वह अंदर आ रहे राजा के पास वापस जाता है और वह कहता है, हे द्वारपालों , अपना सिर ऊपर उठाओ , हे प्राचीन द्वारपाल, ऊपर उठो।

महिमा का राजा आ सकता है। तो सवाल यह है कि इसका सिर वाले फाटकों से क्या लेना-देना है? वे प्राचीन पूर्व में नहीं जानते थे, वे आज की तरह ऊंचे दरवाज़ों को नहीं जानते थे। मैं भूल गया कि आप उस तरह का गेट क्या कहते हैं, लेकिन उन्होंने गेट को ऊपर उठा दिया।

आप इसकी तस्वीरें देखेंगे. दाऊद के समय में इसका अस्तित्व नहीं था। दरवाज़ा टिका पर झूल गया।

वह किसी गेट के लिंटल्स के बारे में बात नहीं कर रहा है। मेरा मानना है कि वह द्वारों का मानवीकरण कर रहा है और वह युगेरिटिक सामग्री से कल्पना का उपयोग कर रहा है। तो, मैं इस पर चर्चा करता हूं, हे द्वारपालों , अपने सिरों को ऊंचा उठाने का क्या मतलब है, हे अनंत द्वार के द्वारों को ऊंचा करो, ताकि महिमा का राजा प्रवेश कर सके।

यह आपके नोट्स के पृष्ठ 296 पर है। गेट टावरों का घेरा मानवकृत है , जो बड़ों की एक परिषद की तरह सेना की वापसी और युद्ध में गए उसके महान योद्धा की प्रतीक्षा कर रहा था और जो झुका हुआ और चिंतित बैठा था। उगारिटिक पाठ में, हमें एल पर्वत, यानी ज़ेफॉन में एकत्रित देवताओं की परिषद की एक तस्वीर मिलती है।

बाल के कट्टर-शत्रु, प्रिंस सी के दूतों के आने पर, देवता झुक गए और भयभीत हो गए, युगारिटिक पाठ से उद्धृत, अपने राजसी सिंहासन पर घुटनों के बल अपना सिर झुकाकर, भय और निराशा में बैठे हुए। और फिर बाल, युवा राजा प्रवेश करता है और वे चिल्लाते हैं, उसके दूत चिल्लाते हैं, हे देवताओं, अपना सिर उठाओ। तो, युगारिटिक पाठ में, यह बाल को उसके पवित्र पर्वत में

प्रवेश करने और अन्य देवताओं की परिषद की तुलना करता है, वे निराश हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वह अराजकता और मृत्यु के प्रतीक प्रिंस सी के सामने हार गया है।

लेकिन अब घोषणा हुई कि बाल विजयी हो गए हैं। और वे कहते हैं, अपने सिर ऊपर उठाओ, जो परिषद को संदर्भित करता है। और मैं इसे निश्चित रूप से प्रोफेसर हार्वर्ड द्वारा यहीं मानता हूं कि शहर को घेरने वाले शहर के द्वार एक परिषद के रूप में व्यक्त किए गए हैं।

राजा युद्ध के लिए बाहर गया है और उन्हें डर है कि वह हार गया है। लेकिन अब वह विजयी हो गए हैं। और वह कहता है, हे फाटकों, अपना सिर उठाओ, और वे स्वागत करने के लिये साक्षात बने जा रहे हैं।

और यह भजन 24 में चलता है, कि महिमा का राजा आ सके। यह महिमा का राजा कौन है? यहोवा बलवान और पराक्रमी है, यहोवा युद्ध में पराक्रमी है। हे द्वारपालों, अपना सिर उठाओ, हे प्राचीन द्वारपालों, अपना सिर ऊंचा करो, कि महिमामय राजा भीतर आ सके।

यह वैभवशाली राजा कौन है? सर्वशक्तिमान प्रभु. वह महिमा का राजा है. वह वह है जो अपने सभी शत्रुओं को हरा देता है।

और इसलिए आपके पास ईश्वर के बीच यह अंतर्संबंध है जो सृजन में विजयी रहा है। और फिर आपके पास उसके साथ प्रवेश करने वाली सेना का अंतर्संबंध है। और फिर द्वारों को ऊपर उठाने, मानवीकृत करने के लिए कहा जाता है।

वे झुक रहे हैं, हतोत्साहित हैं। लेकिन यहाँ इस सारी जीत में महिमा का राजा आता है। यह सामान्य है।

भजन सामग्री के बीच अंतर्संबंध होना सामान्य बात है। यह असामान्य नहीं है। और वह स्पष्ट करेगा.

देशों, प्रभु में आनन्द मनाओ। प्रसन्नता के साथ प्रभु की सेवा करें और गीत गाते हुए उनकी उपस्थिति में आएं। तो, आपको अंदर आने और प्रभु में आनंदित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

परन्तु फिर वह तुम्हारे प्रवेश करने से पहले ही रुक जाता है, यह जान लो, प्रभु स्वयं ही परमेश्वर है। और हम, इस्राएल, उसके लोग हैं। हम उसके लोग और उसके चरागाह की भेड़ें हैं।

और उस स्वीकारोक्ति को आपस में जोड़ते हुए कहा कि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा परमेश्वर है और इस्राएल उसकी प्रजा है जिसके द्वारा वह उसके राज्य में मध्यस्थता करता है। फिर वह आगे कहता है, न केवल प्रभु में आनन्दित रहो। अब वह कहता है, धन्यवाद करते हुए उसके फाटकों से प्रवेश करो, स्तुति करते हुए उसके आंगनों में जाओ, धन्यवाद करो, और उसका नाम पुकारो, क्योंकि प्रभु भला है।

उसकी दया अनन्त है और उसकी वफ़ादारी युग-युग तक बनी रहती है। फिर, पूजा में प्रवेश के बीच एक तरह का अंतर्संबंध है। परन्तु फिर प्रवेश करने से पहले, यह जान लो, इस्राएल का अंगीकार करो कि यहोवा स्वयं परमेश्वर है।

पृष्ठ 307 पर, एक अन्य तकनीक अंतर्पाठ्यता है। वे अन्य सामग्री का संकेत देते हैं। तो जैसा कि हमने भजन 8 में देखा, यह लगभग उत्पत्ति 1 को संगीत में रखा गया है, कविता में रखा गया है।

उन्होंने मानवजाति से कहा कि मवेशियों, गाय-बैलों और यहां तक कि जंगली जानवरों आदि पर शासन करो। जैसा कि हमने देखा, वह उत्पत्ति 1 का पाठ करता है। प्राकृतिक चित्रण पर भी ध्यान दिया गया है।

ताकि, आप जान सकें कि प्राकृतिक चित्रण में यह क्या था? मैं बस यह सोच रहा था कि, उदाहरण के लिए, शेक्सपियर में, हेनरी चतुर्थ में, और यह शुरू होता है, आपके पास वेल्स के राजा और स्कॉटलैंड के राजा हैं जो हेनरी और उनके बेटे, हैरी के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं। शेक्सपियर ने उस दृश्य की शुरुआत कैसे की? यह इन ड्यूक्स और हेनरी और उनके बेटे, हैरी के बीच एक चरम लड़ाई की ओर ले जा रहा है। जिस तरह से वह शुरू करता है, वह सूरज को देखने से शुरू होता है और वह खून से लाल है।

हवा पेड़ों के बीच से गरज रही है। यह कहता है, तुरही की ध्वनि की तरह। यह सब युद्ध के दिन, खूनी सूरज, तुरही जैसी ध्वनि वाली हवा और युद्ध के लिए तैयार किया जा रहा है।

यह निराशा का दिन है। यह तूफान का दिन है और यह उसकी कल्पना में है। लेकिन ईश्वर अपनी कल्पना में नहीं, बल्कि वास्तविक इतिहास में आयोजन करता है।

प्रोविडेंस में, वह उचित सेटिंग सेट करता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, जब दाऊद अबशालोम से भागता है और वह तीन लोगों से मिलता है, तो वह हुशै से मिलता है, वह सीबा से मिलता है, और वह शिमी से मिलता है। यह सब 1 शमूएल 15 और 16 में है।

हुशै एक वफादार दोस्त है। जिबा मिश्रित है। वह अपने स्वामी मपीबोशेत के प्रति विश्वासघाती होकर दाऊद के प्रति वफादार है।

और वह मपीबोशेत के विषय में झूठ बोलता है। और फिर तीसरा शिमी है। अब हुशै एक वफादार दोस्त है और उसे अबशालोम की परिषद को हराने के लिए भेजा गया है।

उसे अहीतोपेल की परिषद को हराना है। और इस प्रकार हुशै को वापस भेज दिया गया। मैं कहता हूं, जिबा मिश्रित वफादारी है।

वह किशमिश, रोटी, दाखमधु और उनके पालन-पोषण के लिए भोजन से लदे हुए गधों को लेकर दाऊद के पास आता है। परन्तु उसने ऐसा अपने स्वामी मपीबोशेत को धोखा देकर किया, क्योंकि दाऊद ने उस से पूछा, मपीबोशेत कहां है? और वह कहता है कि उसे आशा है कि राज्य

उसे वापस मिल जायेगा। जैसे ही आप कहानी का अध्ययन करते हैं यह एक सीधा-सादा लड़का है।

और फिर तीसरा शाऊल का वंशज शिमी है जो दाऊद को श्राप देता है और उस पर पत्थर फेंकता है और उसने अपने पूर्वज शाऊल के साथ जो किया उसके कारण उसे खूनी अत्याचारी कहता है। परंतु ध्यान दें कि परमेश्वर यह सब कैसे करता है। हुशाई गिडे के निकटतम पर्वत की चोटी पर है।

ज़िमाई ढलान से नीचे है। वह मिश्रित है और पहाड़ के नीचे शिमी है। और इसलिए, यह निश्चित रूप से यह दिखाने के लिए आयोजित किया गया है कि कौन ईश्वर के सबसे करीब है और कौन ईश्वर से पूरी तरह से दूर है क्योंकि शिमी मूल रूप से पूरी तरह से पहाड़ से दूर है।

और इसलिए, आपने बहुत ही सोच-समझकर सुंदर चित्रण किया है। यहां ऐसा कुछ भी नहीं है, यह सिर्फ एक दुर्घटना है। और इसलिए, आपके पास डेविड है, वह कहाँ जा रहा है, भजन 5 में, वह कहाँ प्रार्थना करता है? सुबह हो गयी है.

मैं सुबह संतरी की तरह प्रार्थना के उत्तर की प्रतीक्षा करूंगा। और इसलिए वह सुबह प्रार्थना कर रहा है। और प्राचीन निकट पूर्व में सुबह रात के बाद न्याय के समय का दिन था।

प्राचीन निकट पूर्व में न्याय के देवता शमाश थे, जो सूर्य हैं। और इस तरह डूबता हुआ सुबह का सूरज है, जिसने एक नए दिन की रोशनी में न्याय की आशा दी। और आप नामकरण के लिए भी देखें, अंततः, जैसा कि भजन 91 में, वह ईश्वर से चार नामों का उपयोग करता है, परमप्रधान , सर्वशक्तिमान, प्रभु, और एल, स्वयं ईश्वर।

तो, ये कुछ तकनीकें हैं जिनके द्वारा वे अपने अर्थ को एम्बेड और छिपाते हैं। ठीक है। तो इससे आपको कुछ जानकारी मिलती है कि कवि रचना करने के लिए क्या करते हैं।

और इसका वास्तव में एक छिपा हुआ अर्थ है कि आपको इन तकनीकों के बारे में जागरूक होना होगा। आपको ये लेंस लगाने होंगे जिससे आप इसे देख सकें। जब तक आपके पास ये लेंस नहीं होंगे, आप इसे उतना नहीं देख पाएंगे जितना मुझे लगता है कि मैंने इसे 1 किंग्स 7 में देखा था, और वह पूरी कहानी का निर्णायक मोड़ था क्योंकि मैंने चियास्स की तलाश करना सीख लिया था।

ठीक है। प्रभु आप सभी को आशीर्वाद दें ।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 23, अलंकारिक दृष्टिकोण और काव्य तकनीक है।